ADDITIONAL™ PRACTICE

हिंदी 6

वसंत

दीपा सिन्हा
एम० ए० (हिंदी), बी० एड्०

Harbour Press®
INTERNATIONAL

विषय-सूची

1. वह चिड़िया जो 3
2. बचपन 4
3. नादान दोस्त 5
4. चाँद से थोड़ी-सी गप्पें 6
5. अक्षरों का महत्व 7
6. पार नज़र के 8
7. साथी हाथ बढ़ाना 9
8. ऐसे-ऐसे 10
9. टिकट-अलबम 12
10. झाँसी की रानी 13
11. जो देखकर भी नहीं देखते 15
12. संसार पुस्तक है 16
13. मैं सबसे छोटी होऊँ 17
14. लोकगीत 19
15. नौकर 20
16. वन के मार्ग में 00
17. साँस-साँस में बाँस 00

1 वह चिड़िया जो

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

2. (क) नीले पंखों वाली चिड़िया

(ख) संतोषी स्वभाव की

(ग) चिड़िया वन को 'बूढ़े बाबा' इसलिए कहती है क्योंकि वहाँ पर सभी कुछ आसानी से मिलता है।

(घ) चिड़िया चोंच मारकर दूध-भरे जुंड़ी के दाने खा लेती है।

(ङ) जहाँ पर उसे नदी का जल, अन्न खाने को मिले तथा प्राकृतिक वातावरण में रह सके।

3. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iv) (घ) (i)

4. (क) वह चिड़िया जो–

चोंच मारकर

चढ़ी नदी **का दिल टटोलकर**

जल का **मोती ले** जाती है

वह छोटी **गरबीली चिड़िया**

नीले पंखों वाली मैं हूँ

मुझे **नदी से बहुत** प्यार है।

5. (क) कवि ने इन पंक्तियों में बताया है कि उसने ऐसी चिड़िया की कल्पना की है जो नीले पंखों वाली है, जिसे अन्न से बहुत ही प्यार है तथा मेरे स्वभाव के अनुरूप संतोषी है।

(ख) इन पंक्तियों का आशय है कि उसके नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया में साहसी बहुत है। उसे अपनी चिड़िया पर गर्व है क्योंकि उसकी चिड़िया को नदी से लगाव है। वह उफनती नदी में जल की मोती-सी बूँदों को चोंच में भर लाती है।

6. (क) कविता में चिड़िया की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

- वह मेहनती है जो चोंच मारकर दूध-भरे जुंड़ी के दाने रूचि और संतोष से खाती है।
- उसे अन्न तथा नदियों के पानी से प्यार है।
- वह जंगल में एकांत होने पर भी उमंग से रहती है।
- वह घने जंगल में मधुर कंठ से गाती है।
- उसे स्वतंत्रता पसंद है तथा अपनी मर्जी से कहीं भी आ-जा सकती है।
- वह साहसी तथा स्वाभिमानी है।

(ख) चिड़िया अपना जीवन खुशी के साथ जीती है। वह वन में संतोषी होने के कारण जो मिलता है, खा लेती है। वह सबके साथ मिल-जुलकर रहती है तथा मधुर कंठ से गाना सुनाती है।

(ग) नीले पंखों वाली चिड़िया वन में भी चोंच मारकर दूध-भरे जुंड़ी के दाने रूचि से खाती है। इसके लिए उसे किसी से शिकायत नहीं है। वह उफनती नदी से जल चोंच में भरकर पी लेती है।

(घ) चिड़िया अपने मधुर कंठ से खुशी के गीत गाती है। वह वन में अपनेपन के साथ कंठ खोलकर गाती है तथा सबका ध्यान आकर्षित करती है। वह बेटोक गाती है।

(ङ) चिड़िया के द्वारा कवि ने मनुष्य के महत्वपूर्ण गुणों को इज़हार किया है। वह मेहनती स्वाभिमानी एवं संतोषी होने के साथ-साथ संघर्ष करने का संदेश देना चाहते हैं।

7. (क) दुग्ध, पय (ख) अनुराग, स्नेह

(ग) गला, हलक (घ) सरिता, तटिनी

(ङ) नीर, अंबु (च) जंगल, कानन

8. (क) गंगा का जल शीतल होता है।
रामू का घर आग लगने से जल गया।
(ख) रामचरण का घर उत्तर की ओर है।
हमें प्रश्नों का उत्तर सोच-समझकर देना चाहिए।
(ग) त्योहार के अवसर पर फलों के दाम बढ़ जाते हैं।
मेहनत का फल अवश्य ही मिलता है।

9. (क) चिड़ियाँ (ख) दाना (ग) पंखा (घ) नदियाँ (ङ) मोती (च) चीज़ें

10. वह, नीलेपंखों वाली, छोटी, गरबीली, संतोषी, मुझे, मुँहबोली, जो

11. हमें अपनी निडरता, स्वाभिमानी एवं स्पष्ट वक्ता होने पर गर्व है। समाज में या कक्षा में अनुचित कार्य को रोकने का साहस है। हमें अपनी नेतृत्व क्षमता पर अभिमान है तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने की क्षमता है। विचारों के मतभेद को आपसी सलाह-मशविरे से दूर करने पर मान है।

12. हमें अपने जीवन में बंदर की घटना से सीख मिली है। एक बार एक बंदर वाहन के आने से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसी समय दूसरे बंदरों ने अपनी ध्वनी से अपने साथी बंदरों को सूचित कर दिया। सभी बंदर इकट्ठे हो गए तथा घायल बंदर को घेरे में ले लिया। पशु चिकित्सक ने बंदर का इलाज किया। इस घटना से मदद करने की सीख मिली।

13. प्रस्तुत चित्र चिड़िया का है, जो भूरे रंग की होती है। यह पक्षी खेतों के अनाज के साथ-साथ कीड़े-मकौड़े भी खाती है। भारत में इसे सभी जगह देखा जा सकता है। पेड़ों की डालों या घरों के पंखों में बने गोल स्थान पर चिड़िया अंडे देती है तथा उसकी देख-भाल करती है। इसमें गर्मी एवं सर्दी सहने की क्षमता होती है। यह पक्षी भोजन की तालाश में भोर में निकलते हैं तथा साँझ होते ही वापस घोंसलों में आ जाते हैं।

2 बचपन

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) लेखिका को अपने बचपन की कुल्फ़ी जो आइसक्रीम में हो गई है। कचौड़ी-समोसा, पैटीज़ में बदल गया है, शहतूत, फ़ाल्से, खसखस नज़र आती है।
(ख) शिमला-कालका ट्रेन
(ग) शनिवार की सुबह को
(घ) रंग-बिरंगे
(ङ) आँख पर चश्मा लगाया, ताकि सूझे दूर की यह नहीं लड़की को मालूम सूरत बनी लंगूर की!

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii)

4. (क) (v) (ख) (vi) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (iv) (च) (i)

5. (क) अब लेखिका सफ़ेद या हल्के रंग का पहनना-ओढ़ना पसंद करती है।
(ख) लेखिका की पहली ट्यूनिक चॉकलेट रंग और अंदर की कोटी प्याज़ी और दूसरी ग्रे तथा उसके साथ सफ़ेद कोटी थी।
(ग) शिमला में लेखिका सिर पर हिमाचली टोपियाँ लगाती थी।
(घ) लेखिका के चश्मा लगाने पर छोटे-बड़े सभी कहते-आँखों में कुछ तकलीफ़ है! इस उम्र में ऐनक! दूध पिया करो।
(ङ) कन्फ़ेकशनरी काउंटर पर तरह-तरह की पेस्ट्री और चॉकलेट मिलता था।
(च) लेखिका ने बचपन के दिनों के चना ज़ोर गरम की विशेषता यह बताई है कि कुछ बच्चे उस पर तेज़ मसाला बुरकवाते और एक-एक चना-पापड़ी मुँह में डालते हुए पूरा गिरजा मैदान घूमते। उस समय हमारे कदम उठाने की एक खास ही लय-रफ़्तार थी।
(छ) लेखिका ने बचपन में शिमला रिज पर बहुत मज़े किए हैं, घोड़े की सवारी की है, हवाई जहाज देखे हैं, चर्च की घटिमा मई द्वारा चिढ़ाया जाना सूरत बनी लंगूर की, को याद करती है।

6. (क) पुकार (ख) धुलाई (ग) उतराई (घ) चमक (ङ) हँसी (च) सीख

7. (क) शीला ने विवाह में भारी-भरकम साड़ी पहनी।
(ख) मुझे खट्टे-मीठे फल पसंद हैं।
(ग) राजा के सभी घोड़े हृष्ट-पुष्ट हैं।
(घ) रंग-बिरंगे कपड़ों से नृत्य में निखार आता है।
(ङ) राखी भाई-बहन का पवित्र त्योहार है।

8. (क) रेशमी (ख) गुजराती (ग) गुलाबी (घ) शरबती (ङ) आसमानी
(च) पहाड़ी (छ) जामुनी (ज) फ़िल्मी

9. छात्र स्वयं करें।

10. बचपन काश। लौट आता
हम भी करते खेल अनेक
मस्ती करी, जब हमने उस पल
छुपना-छिपाना आया याद
झूले झूलों पर हमने ली पेंगे
हँसी-ठिठोली आई याद
क्या दिन थे! वो हमारे
न खाने की चिंता, न ही पढ़ने का होश

11. पर्वतीय स्थान पर रहने वाले लोग मेहनती होते हैं। उन्हें पहाड़ों की चोटियों पर चढ़ने का अनुभव होता है। उन्हें ठंड़ को सहने की आदत होती है। अन्न उगाने में काफी मेहनत करते हैं। सिंचाई-साधनों का अभाव, रोजगार की कमी के कारण वे अपने इलाके से दूर होने पर विवश हैं। प्राकृतिक प्रकोप का सामना करना होता है। बर्फ़ की चोटी से बड़े-बड़े पहाड़ के टुकड़े गिरने से यातायात के साधन अवरुद्ध हो जाते हैं तथा संचार व्यवस्था टप्प हो जाती है।

3 नादान दोस्त

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

2. (क) दूध और जलेबी की
(ख) कार्निस के सामने पहुँच जाते थे।
(ग) दोंनो बच्चे दम रोके, आँख बंद किए, मौके का इंतजार करते।
(घ) केशव अंडों को सुरक्षित रखना चाहता था।
(ङ) श्यामा की नींद खुली।

3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (iv) (ङ) (iii)

4. (क) केशव को यह मालूम नहीं था कि चिड़िया के अंड़े छूने से चिड़िया अंड़े को गिरा देती है। उसे सेती नहीं है।
(ख) अंडे फूट गए थे। उन अंडों को देखकर केशव के चेहरा का रंग इसलिए उड़ा क्योंकि बच्चे नष्ट हो गए।
(ग) केशव और श्यामा सुबह होते ही कार्निस के सामने पहुँचते थे। वहाँ पर उन्हें चिड़ा और चिड़िया घौंसले में बैठे नज़र आते।
(घ) केशव ने टोकरी का सुराख कागज़ के टुकड़े से बंद किया।
(ङ) श्यामा ने माँ से केशव की शिकायत इसलिए नहीं की क्योंकि वह जानती थी कि भईया की पिटाई होगी। उसे अपने भाई से प्यार था।
(च) इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि बच्चे जिज्ञासु होते हैं। वे अपनी जिज्ञासा को शांत करने के लिए अनुचित कार्य अनजाने वश कर देते हैं तथा बाद में पछताते हैं। अत: घर के सदस्यों को समय निकालकर बच्चों को जिज्ञासा का समाधान करना चाहिए।

5. (क) चिड़ियाँ (ख) घोंसलें (ग) छड़ियाँ (घ) टोकरियाँ (ङ) जलेबियाँ (च) अंडे

6. (क) गरीब (ख) कपड़ा (ग) फैसला (घ) मुसीबत, तकलीफ़ (ङ) विश्वास (च) आराम

7. (क) जवाब (ख) छाँव (ग) गरमी (घ) बाहर (ङ) अमीर (च) आसमान

8. (क) रंगीला (ख) जिज्ञासु (ग) ऊपरी (घ) पढ़ाकू (ङ) दैनिक (च) बाहरी

9. हम 'नादान दोस्त' केशव और श्यामा के कार्य से असहमत हैं। यदि उन्हें चिड़िया के बारे में जानकारी लेने थी तो दोपहर में वे अपनी माँ से ले सकते थे। उनकी माँ दोपहर में खाली रहती थी इसलिए उनकी जिज्ञासा को शांत कर सकती थी।

10. हम ऐसा कार्य नहीं करते। दोपहर में माँ की आज्ञा का पालन करते। घर के बाहर नहीं निकलते। हम पुस्तकों द्वारा जीव विज्ञान की जानकारी लेते।

11. यदि हमसे कभी कोई भूल हो जाए तो इसके लिए माफ़ी माँगेंगे, पश्चाताप करेंगे तो उस भूल या गलती को भविष्य में न दुहराने का संकल्प लेंगे। सर्वप्रथम हम अनजाने में हुई भूल का कारण जानने की चेष्टा करेंगे।

12. हम अपनी गरमी की छुट्टियों का सदुपयोग करते हैं। इन दिनों बालभवन में या स्कूलों में पार्ट-टाइम कोर्स चलते हैं। हम अपनी रूचि के अनुसार प्रवेश लेते हैं तथा अपने ज्ञान की वृद्धि करते हैं। अगली कक्षा में पढ़ाए जाने वाले सभी विषयों का अध्ययन करते हैं ताकि कक्षा में अव्वल रहें। स्कूल का गृह कार्य खत्म होने के बाद नाना-नानी के घर जाते हैं तथा शाम के समय खेलते हैं।

4 चाँद से थोड़ी-सी गप्पें

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓
2. (क) शमशेर बहादुर सिंह
   (ख) गोल नज़र आता है।
   (ग) आकाश को कहा गया है।
   (घ) चाँद लड़की को समझाता है कि घटना-बढ़ना कोई बीमारी नहीं है।
   (ङ) बीमारी समझती है।
3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iv) (ङ) (i)
4. (क) इन काव्य पंक्तियों के माध्यम से कवि कहता है कि दस-ग्यारह साल की लड़की को दूर से चाँद गोल, तिरछा तथा आकाश रूपी वस्त्रों में तारे जैसा जड़ा नज़र आता है।
   (ख) इस काव्य पंक्तियों में लड़की की नादानी दर्शाई गई है। वह चाँद के घटने-बढ़ने के क्रम को बीमारी समझ बैठी है। उसकी नज़र में इस बीमारी का कोई इलाज़ नहीं है। चाँद के समझाने पर भी वह कहती है कि तुमने मुझे बेवकूफ़ समझा है क्या!
5. (क) चाँद ने अपनी तारे रूपी पोशाक को चारों ओर से फैलाकर पहन रखा है।
   (ख) लड़की के अनुसार चाँद बढ़ते-बढ़ते पूर्णिमा की स्थिति को प्राप्त करता है।
   (ग) लड़की खुद को बुद्धू समझने से इसलिए मना करती है, क्योंकि वह चाँद के घटने-बढ़ने के क्रम को बीमारी ही मानती है जिसका कोई इलाज़ नहीं, जबकि चाँद लड़की को समझाना चाहता है कि उसके घटने-बढ़ने के क्रम से ही महीना दो पक्षों में विभाजित होता है– शुक्लपक्ष तथा कृष्णपक्ष
   (घ) चाँद गोल है और वह तिरछा नज़र आता है।
   (ङ) दम नहीं लेना का अर्थ है– ज़रा भी फुरसत न होना।
   (च) चाँद को घटते-बढ़ते तथा कभी एकदम ही गायब होने का मरज़ है और वह गोल है।
   (छ) चाँद का चेहरा गोल है। उसने अपना गोरा-चिट्टा मुँह खोल रखा है।
6. (क) शशि (ख) वेश भूषा (ग) प्रभु (घ) गगन (ङ) सुता (च) पुरातन
7. (क) चाँदनी (ख) दैनिक (ग) मासिक (घ) गुलाबी (ङ) चमकीला (च) हरियाली
   (छ) ग्रामीण (ज) रंगीला (झ) कृपालु (घ) नागरिक
8. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग (ग) पुल्लिंग (घ) पुल्लिंग (ङ) पुल्लिंग (च) स्त्रीलिंग
9. (क) चाँद – व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) फल – जातिवाचक संज्ञा, मीठा – भाववाचक संज्ञा
   (ग) गुजरात – व्यक्तिवाचक संज्ञा, बचपन – भाववाचक संज्ञा (घ) लड़की – जातिवाचक संज्ञा
10. आपको मामा क्यों कहते हैं?
    मैं मामा की तरह प्यार करता हूँ
    अच्छा! आप कभी गोल, कभी आधे क्यों दिखते हो।
    मेरी नियति है। घटने-बढ़ने की।
11. चंदा तुम जब आते हो

चारों ओर छा जाते हो
अँधेरा दूर भगाते हो
तारों से गगन सजाते हो।
तुम्हारे निठलने से ही
पर्व मनाए जाते हैं
कभी करवा चौथ मनाते
कभी बकरीद मनाते हैं
चँदा तुम जब आते हो
चारों ओर छा जाते हो

12. बालक – बादल तुम जब घुमड़-घुमड़कर आते हो। ठंड़ी ब्यार लाते हो।
बादल – हाँ। मेरे आने से गरमी भागती है।
बालक – हम भी आस लगाए बैठे हैं।
बादल – अच्छा! तो अब बरसता हूँ।
बालक – मज़ा आ गया, मज़ा आ गया, भीगने का मज़ा आ गया।
बादल – लो! अभी लोग कहेंगे। बाढ़ आ गई-बाढ़ आ गई।

5 अक्षरों का महत्व

1. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) प्रागैतिहासिक काल
(ख) कोई दस हज़ार साल पहले
(ग) चित्रों के माध्यम से
(घ) अक्षर भाषा के मूल में हैं।
(ङ) अक्षरों की खोज
3. (क) (i) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (i)
4. (क) (iii) (ख) (v) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iv) (च) (vi)
5. (क) प्रागैतिहासिक मानव से तात्पर्य उस मानव से है जब उसने अपने भावों को ध्वनि के माध्यम से व्यक्त करना शुरू किया। बाद में उसने पत्थरों पर विभिन्न प्रकार के चित्र बनाएँ, रेखाएँ खींचकर अपने भावों को व्यक्त किया।
(ख) अक्षरों की खोज मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है क्योंकि उस समय मानव अपने विचारों को लिखकर रखने लगा। इस प्रकार वह अपने ज्ञान को अगली पीढ़ी को देने लगा।
(ग) जब मानव ने अपने विचारों तथा हिसाब-किताब को लिखकर सुरक्षित रखने लगा तब से उसे सभ्य कहा जाने लगा।
(घ) यदि अक्षरों की खोज न होती तब हम इतिहास को नहीं जान पाते। हम यह भी नहीं जान पाते कि हज़ारों साल पहले आदमी किस प्रकार रहता था, क्या-क्या सोचता था, कौन-कौन से राजा हुए।
(ङ) मनुष्य धरती पर पाँच लाख साल पहले आया। उसने कोई दस हज़ार पहले गाँवों को बसाना शुरू किया।
(च) किसी कौम या देश का इतिहास तब से शुरू होता है जब से आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं।
(छ) हमारी धरती लगभग पाँच अरब साल पुरानी है। आदमी के पूर्व इस धरती पर जानवरों और वनस्पतियों का ही राज्य रहा है।
6. (क) देवनागरी (ख) देवनागरी (ग) गुरुमुखी (घ) रोमन (ङ) फ़ारसी (च) देवनागरी
7. (क) यह पुस्तक अक्षरों से बनी है।
(ख) हज़ारों की तादाद में रोज़ ही समाचार-पत्र छपते हैं।

(ग) हम सबको अक्षरों की कहानी मालूम होनी चाहिए।

(घ) यह भला आदमी है।

(ङ) अक्षरों की खोज के सिलसिले को शुरू हुए मुश्किल से छह हज़ार साल हुए हैं।

8. (क) पुस्तकें (ख) पीढ़ियाँ (ग) किताब (घ) लिपियाँ (ङ) हज़ार
(च) रेखाएँ (छ) वनस्पति (ज) चिड़िया

9. (क) अनादि, अनमोल (ख) अनुशासन, अनुभव (ग) प्राचीन, प्रशंसा (घ) विकास, विमान
(ङ) सुशील, सुलेख (च) हमशक्ल, हमसफ़र

10. हमारे विचार में अक्षरों की खोज आदमी ने की है। उसने अपने भावों को व्यक्त करने के लिए पत्थरों पर आड़ी-तिरछी रेखाएें खींचकर चित्र बनाना शुरू कर दिया तथा उसे भाव व संकेत के रूप में प्रस्तुत किया।

11. यदि भाषा न होती तो हम अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाते। अक्षर ज्ञान नहीं होता। हमें इतिहास की जानकारी नहीं होती और न ही आने वाली पीढ़ी के लिए लिखित भाषा में कुछ ज्ञान सीखा पाते।

12. मौखिक भाषा का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। व्यक्ति अगर अच्छा वक्ता है तो वह मौखिक भाषा के द्वारा सामने वाले व्यक्ति को प्रभावित करके अपना कार्य सिद्ध कर सकता है। उसकी वाणी में आत्म विश्वास झलकता है जो कि उसकी सफलता की प्रथम सीढ़ी है, अत: भाषा में प्रवीण होना आवश्यक है। नौकरी में इंटरवयू या साक्षात्कार देते समय हमें अपनी मौखिक भाषा का प्रयोग पूछे गए प्रश्नों का जवाब सोच-समझकर उपस्थित महोदय/महोदया के समझ देना चाहिए।

6 पार नज़र के

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

2. (क) छोटू का माँ के साथ रोज़ वार्तालाप होता था।
(ख) पापा ने बचाया।
(ग) चंद चुनिंदा लोग, जो वहाँ पर काम करते थे उस सुरंग नुमा रास्ते का प्रयोग कर सकते थे।
(घ) स्पेस-सूट पहनकर काम पर जाते थे।
(ङ) निरीक्षक यंत्र ने खींची
(च) अंतरिक्ष यान का नाम क्रंमाँक था।

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iv) (घ) (ii) (ङ) (i)

4. (क) मंगल (ख) कार्ड (ग) नंबर दो (घ) कॉन्सोल (ङ) पृथ्वी

5. (क) एक दिन छोटू ने नज़र बचाकर चोरी-छिपे पापा का सिक्योरिटी पास हथिया लिया और सुरंगनुमा रास्ते के दरवाज़े में बने खाँचे में डाल दिया जिससे दरवाज़ा खुल गया। इस प्रकार की युक्ति से वह सुरंग में घुस गया।
(ख) छोटू के सुरंग में प्रवेश करते ही निरीक्षक यंत्र ने इसकी सूचना नियंत्रण केंद्र को दी। नियंत्रण केंद्र में तसवीर की जाँच की गई, खतरे की सूचना हुई और सिपाहियों ने छोटू को पकड़ लिया।
(ग) खास किस्म के जूतों से ज़मीन के ऊपर चलने-फिरने में मदद मिलती है। इसके लिए एक विशेष प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है।
(घ) अंतरिक्ष यान का यांत्रिक हाथ मंगल ग्रह की मिट्टी ले रहा था।
(ङ) अंतरिक्ष यान के आने की की खबर सुनकर मंगल ग्रहवासी परेशान हो गए। सभी यह सोचने लगे कि यह अंतरिक्ष कहाँ से आ रहा होगा? वे इससे होनी वाली समस्याओं से बचने के लिए उपाय सोचने लगे। वे कॉलोनी की सुरक्षा के लिए सलाह-मशविरा करने लगे।
(च) पृथ्वी के सभी अखबारों में छपा था कि मंगल की धरती पर उतरा हुआ अंतरिक्ष यान वाइकिंग अपना निर्धारित कार्य कर रहा है। हालाँकि किसी अज्ञात कारणवश अंतरिक्ष यान का यांत्रिक हाथ बेकार हो गया है। नासा के तकनीशियन इस बारे में जाँच कर रहे हैं तथा इस यांत्रिक हाथ को दुरूस्त करने के प्रयास भी जारी है फिर कुछ दिनों के छपा "नासा के तकनीशियनों को रिमोट कंट्रोल के सहारे वाइकिंग को दुरूस्त करने में सफलता मिली है। यांत्रिक हाथ ने अब मिट्टी के विभिन्न नमूने इकट्ठे करने का काम आरंभ कर दिया है......."
(छ) पृथ्वीवासियों के लिए एक यह प्रश्न रहस्य भरा है कि क्या मंगल ग्रह पर भी पृथ्वी की ही तरह जीव सृष्टि का अस्तित्व है?

6. (क) कर्ता कारक (ख) अपादान कारक (ग) संप्रदान कारक (घ) अधिकरण कारक (ङ) संबोधन कारक

7.

	मूल शब्द	**प्रत्यय**
(क)	समाज	इक
(ख)	जानकार	ई
(ग)	यंत्र	इक
(घ)	विज्ञान	इक
(ङ)	जिम्मेदार	ई
(च)	ऊष्ण	ता

8. (क) बंद (ख) नामुमकिन (ग) दूर (घ) संभव (ङ) चेतन (च) अनावश्यक

9. (क) राह (ख) खग (ग) भास्कर (घ) शुरू (ङ) धरती (च) वृक्ष

10. (क) सम् + सार (ख) प्रति + एक (ग) वार्ता + आलाप (घ) सम् + बंध
(ङ) सूर्य + उदय (च) अति + अन्त

11. हमारे देश में सबसे पहले अंतरिक्ष में राकेश शर्मा गए थे। वे विश्व के 138वें अंतरिक्ष यात्री थे। इन्होंने लो ऑर्बिट में स्थित सोवियत स्पेस स्टेशन की उड़ान भरी और सात दिनों तक स्पेस स्टेशन में रहें। उन्होंने देश के बारे में कहा "सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा।"

12. यदि छोटू सुरंगनुमा रास्ते में न पकड़ा जाता, तो वह किसी अनहोनी दुर्घटना का शिकार हो सकता था, क्योंकि उसे वहाँ की परिस्थिति की जानकारी नहीं थी। उसे जान भी गवानी पड़ सकती थी।

13. यदि हम छोटू के स्थान पर होते तो अपने पापा की मदद से स्पेस-सूट और खास किस्म के जूते पहनकर ज़मीन पर सफ़र करते। वहाँ की मिट्टी का निरीक्षण करते तथा अन्य सभी जानकारी हासिल करते।

7 साथी हाथ बढ़ाना

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

2. (क) मेहनत के सहारे
(ख) मेहनती लोगों को देखकर
(ग) साहिर लुधियानवी
(घ) हमारा भाग्य मेहनत करना है।
(ङ) पहाड़ बनता है।

3. (क) (i) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (iv) (ङ) (ii)

4. (क) इस पंक्ति का भाव है कि मिल-जुलकर काम करने से कार्य जल्दी हो जाएगा। यदि वह अकेला उस कार्य को करेगा। तो कार्य भी देर से होगा और थक भी जाएगा।
(ख) इस पंक्ति का आशय है कि हमारे भागय में मेहनत करके धन कमाना लिखा है। अत: हमें मेहनत करने से नहीं घबराना चाहिए, न ही डरना चाहिए।

5. (क) साथी की मदद मिल जाने से आपसी एकता, प्रेम और भाईचारे की भावना प्रबल होती है। हमारा कार्य समय पूर्ण होता है। हम सबके दुख-सुख के साथी होते हैं।
(ख) हमें मेहनत से इसलिए नहीं डरना चाहिए क्योंकि मेहनत वालों ने जब भी मिलकर कदम उठाया है सागर ने उन्हें जाने के लिए रास्ता दे दिया है तथा पर्वत ने शीश झुका दिया है।
(ग) हमारी मंज़िल सच की मंज़िल है और हमारा रास्ता नेक है अर्थात् हम कल्याणकारी कार्य करना चाहते हैं।
(घ) मिल-जुलकर काम करने से कार्य समय पर पूर्ण होता है। ठेकेदारों के अन्याय का विरोध करने की हिम्मत होती है। मज़दूरों में आपसी प्रेम-भाव का विकास होता है।
(ङ) फ़ौलादी इरादों वाले व्यक्ति अपने दृढ़ इच्छा शक्ति से बल पर असंभव कार्य को संभव कर दिखाते हैं। हम उदाहरण दशरथ माँझी का दे सकते हैं जिन्होंने पर्वत से रास्ता बनाकर दूरी कम कर दी।

(च) इस गीत से हमें मेहनत करने, अपने लिए जीने, सच्चाई का साथ देने तथा मिल-जुलकर कार्य करने तथा रहने की प्रेरणा मिलती है।

(छ) इस गीत का सारांश है जो व्यक्ति किसी कार्य को अकेला करता है वह कार्य को देर से खत्म करता है और जल्दी ही थक जाता है। अकेले करने पर वह एकांकी जीवन व्यतीत करता है, वही व्यक्ति जब समूह में कार्य करता है तो कार्य जल्दी पूर्ण होता है, उसे थकावट भी महसूस नहीं होती। मेहनतवालों ने ही बड़ी-बड़ी इमारतें बनाई है, असंभव कार्य को संभव कर दिखाया है। हमने दूसरों के लिए बहुत ही मेहनत की है। अब मेहनत हमें अपने लिए भी करनी चाहिए। हमे अपने सभी साथियों के सुख-दुख को साँझा करना चाहिए तथा उनको सभी कठिनाइयों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। हमारा रास्ता नेक होना चाहिए। हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जिस प्रकार एक-एक राई मिलकर पहाड़ का रूप धारण करती है उसी प्रकार हम सभी मिलजुल एक शक्तिशाली संगठन बना सकते हैं और भाग्य की रेखा को बदल सकते हैं।

6. (क) समुद्र, जलधि (ख) पहाड़, गिरि (ग) सरिता, नद (घ) हस्त, पाणि
(ङ) नसीब, भाग्य (च) पानी, नीर

7. (क) उठाना (ख) ज़र्रा (ग) राहें (घ) सुख (ङ) झुकाया (च) किस्मत

8. (क) रास्ता (ख) टुकड़ा (ग) पर्वत (घ) इंसान (ङ) दूसरे (च) कण
(छ) भाग्य (ज) सिर

9. (क) समाज में प्रत्येक वर्ग के हाथ बढ़ाने से ही राष्ट्र का विकास संभव है।
(ख) सिपाही के मुँह फेरते ही जेबकतरा हाथ साफ कर गया।
(ग) सोच-समझकर काम करो, नहीं तो किसी दिन नौकरी से हाथ धो बैठोगे।
(घ) परिश्रम के अभाव में यदि तुम फेल हो जाते हो, तो पूरा साल हाथ मलते रह जाओगे।

10. एक किसान के चार पुत्र थे। वे आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे। किसान हमेशा दुखी रहता था तथा इसी सोच-विचार में रहता था कि कैसे अपने पुत्रों को समझाइए। एक बार किसान बीमार पड़ गया। बिस्तर पर लेटे-लेटे खयाल आया। उसने अगले दिन चारों पुत्रों को बुलाया और कहा कि लकड़ी का बोझा लाओ। किसान के बेटे ने गट्ठर ला दिया। किसान ने गट्ठर को एक साथ तोड़ने के लिए कहा। बेटों ने लकड़ी के गट्ठर को तोड़ने की कोशिश करी, लेकिन वो कामयाब नहीं हो सके। पुत्रों को निराश होते देखकर किसान ने बोझे में से एक-एक लकड़ी तोड़ने को कहा। अब लकड़ी जल्दी ही टूट गई। किसान ने पुत्रों को समझाते हुए कहा कि यदि तुम सब मिल-जुलकर संगठित होकर रहोगे, तो दुश्मन तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकेगा, यदि तुम लड़ते-झगड़ते रहोगे तो लकड़ी के समान टूट जाओगे। संगठन में शक्ति छिपी होती है, इस तथ्य को समझ जाओ और अपने कार्य में सफलता हासिल करो।

11. हम अपने घरों में माता जी की रसोई बनाने में मदद करते हैं। जैसे- चावल बीनना, सब्ज़ी काटने के लिए छुरी तथा लाकर देना, कभी-कभी चाय बनाकर पीने के लिए देना। रविवार के दिन या खाली वक्त में छोटे भाई-बहन को नहलाने में मदद करते हैं, उनका गृहकार्य करवाने में सहायता करते हैं।

12. छात्र स्वयं करें।

13. छात्र स्वयं करें।

8 ऐसे-ऐसे

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) मोहन करता है।
(ख) मोहन की नाड़ी दबाकर जाना।
(ग) पुड़िया देते हैं।
(घ) मोहन ने पिता के दफ़्तर में एक केला और एक संतरा खाया।
(ङ) मोहन के पिता ने डॉक्टर से ज़ल्दी अर्थात् पाँच मिनट में आने को कहा।

3. (क) (ii) (ख) (iv) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (ii)

4. (क) मोहन की माँ ने, मोहन के पिता से कहा।
(ख) मोहन के पिता ने, वैद्य से कहा।
(ग) डॉक्टर ने, मोहन से कहा।

(घ) मास्टर जी ने, मोहन की माँ से कहा।

(ङ) मोहन ने, मास्टर जी से कहा।

5. (क) मोहन की दवा वैद्य और डॉक्टर के पास इसलिए नहीं थी, क्योंकि मोहन को वास्तव में कोई बीमारी नहीं थी।

(ख) मोहन की माँ ने उसका इलाज गरम पानी की बोतल से सेंक करके, हींग चूरन, पिपरमेंट देकर किया।

(ग) मास्टर जी अनुभवी अध्यापक थे। उन्होंने नटखट छात्रों को बहाने बनाते देखा था इसलिए वे मोहन को देखते ही समझ गए कि इसने स्कूल का काम पूरा नहीं किया है। इसने महीने भर मौज की। उन्होंने मोहन के पेट दर्द का इलाज यह बताया कि उसे दो दिन की छुट्टी मिलेगी। इन्हीं दो दिनों में स्कूल का कार्य करना है और इसका 'ऐसे-ऐसे' दूर भाग जाएगा। अब उठकर सवाल शुरू कीजिए तभी खाना मिलेगा।

(घ) वह स्कूल का काम पूरा नहीं करता है तथा दिनभर शरारतें करता है। इस वजह से वह पेट र्दद का बहाना बनाता है।

(ङ) मोहन नटखट बालक प्रतीत होता है। वह कक्षा में शरारते करता है। कक्षा की रौनक भी उसी से है, यहाँ तक पड़ोस में सभी से छेड़-छाड़ करता है।

(च) मास्टर जी अपने सभी छात्रों से स्नेह करते है। जब उन्हें मोहन की बीमारी के बारे में पता चलता है तो वह उसके घर चले जाते हैं। वे मोहन के माता-पिता को सच्चाई से कराते हैं कि मोहन के पेट में ऐसे-ऐसे कोई बीमारी नहीं है अपितु वह बहाना है। मोहन ने पूरा महीना मौज की है और स्कूल का काम पूरा नहीं किया है इसलिए वह मास्टर जी की पिटाई के डर से बहाना बना रहा है।

(छ) डॉक्टर मोहन को कब्ज़ की बीमारी बताते हैं। वे ठीक होने के लिए दवा की एक खुराक पीने के लिए देते हैं जिससे मोहन की तबियत ठीक हो जाएगी। पेट में कभी-कभी हवा रूक जाती है और फंदा डाल लेती है। बस उसी की ऐंठन है।

(ज) 'ऐसे-ऐसे' एकांकी से यह शिक्षा मिलती है कि कभी-कभी शरारती बच्चे भी माता-पिता को परेशानी में डाल देते हैं। जिसकी वजह से डॉक्टरों को फ़ीस देनी होती है। वैदय या डॉक्टर भी अपनी फ़ीस लेने से नहीं चूकते हैं। अतः बहाना नहीं बनाना चाहिए तथा किसी भी कार्य को समय से पूर्ण कर लेना चाहिए।

6. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग

(ङ) पुल्लिंग (च) पुल्लिंग (छ) पुल्लिंग (ज) पुल्लिंग

7. (क) स्वस्थ (ख) पाताल (ग) ठंडा (घ) अंत

(ङ) विष (च) निराशा (छ) अवनति (ज) पतन

8. (क) कल – मुझे कल आगरा जाना है।

कल – वस्तुओं का उत्पादन कल से अधिक होने लगा है।

(ख) बस – प्राइवेट बसों में कम भीड़ होती है।

बस – यह काम मेरे बस का नहीं है, इसे तुम ही करो।

(ग) लाल – दुर्गा माँ को लाल रंग पसंद है।

लाल – मेरे लाल ने आर्मी में नए-नए करतब दिखाए।

(घ) मान – विदेश में रहनेवालों को ऐसे अच्छे काम करने चाहिए जिससे देश का मान बढ़े।

मान – हमें बड़ों की बात का मान रखना चाहिए।

9. (क) सिपाही को आते देख चोरों के चेहरे पर हवाइयाँ उड़ने लगी।

(ख) अध्यापक की देरी से कक्षा के छात्रों ने पल-भर में घर को सिर पर उठा लिया।

(ग) आजकल के बच्चे छुट्टी के दिन धमा-चौकड़ी करते रहते हैं।

(घ) लाला जी से बचकर रहना! उसके तो पेट में दाढ़ी है।

10. अगर मास्टर जी नहीं आते, तो नाटक में मोहन के अभिभावक को सच्चाई मालूम नहीं होती। उनके हज़ारों रुपए दवा-दारू में उड़ जाते। मोहन को बहाना बनाने की आदत पड़ जाती।

11. मास्टर जी – आज! तुमने फिर से गृहकार्य नहीं किया। क्यों?

आप – मास्टर जी, घर में माँ बीमार पड़ गई थी।

मास्टर जी – सच! मैं, माँ बीमार थी या बहाना बना रहे हो।

आप — नहीं, मास्टर जी! मैं तो समय पर गृहकार्य करता हूँ।

मास्टर जी — हाँ, वह तो देखा है। तुमने समय पर दिया है।

आप — मास्टर जी, मुझे कल का समय दीजिए।

मास्टर जी — अच्छा, ठीक है। कल अवश्य ही गृहकार्य करना।

आप — धन्यवाद! मास्टर जी, कल मैं गृहकार्य अवश्य ही करके आपको दे दूँगा।

9 टिकट-अलबम

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓
2. (क) राजप्पा का अलबम सबसे बड़ा था।
   (ख) सिंगापुर से भिजवाया था।
   (ग) राजप्पा ने अलबम अपने घर में पुस्तक की अलमारी के पीछे छिपा रखा था।
   (घ) वह शनिवार और रविवार टिकट की खोज में लगा रहता।
   (ङ) नागराजन का अलबम प्यारा था। उस पर कवर चढ़ा रखा था।
3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iv) (ङ) (i)
4. (क) सिंगापुर (ख) राजप्पा (ग) नागराजन (घ) अपू (ङ) पुलिस
5. (क) राजप्पा नागराजन के घर से अलबम चुराने की नीयत से आया था।
   (ख) राजप्पा के अलबम की शान नागराजन के मामा द्वारा भेजे गए सिंगापुर के अलबम से घट गई थी।
   (ग) राजप्पा की आँखों में आँसू आने का कारण यह था कि उसे नागराजन की अलबम को अंगीठी में डालकर जला दिया था और बाद में पछता रहा था।
   (घ) अलबम चुरा लेने के बाद राजप्पा ने रात को खाना नहीं खाया, उसका चेहरा भयानक हो गया और रात को नींद नहीं आई।
   (ङ) राजप्पा ने नागराजन को अपना अलबम देने का मुख्य कारण यह था कि उसे अपनी गलती का अहसास हो गया था। उसने महसूस किया कि जितना स्नेह वह अपनी अलबम से करता है उतना ही स्नेह नागराजन भी करता था।
   (च) उसके अलबम को किसी ने चुरा लिया था उसके दुख में वह लगातार रोए जा रहा था।
   (छ) राजप्पा ने नागराजन का अलबम अँगीठी में ईर्ष्यावश होकर जलाया था। कक्षा में राजप्पा के अलबम की तुलना नागराजन के सिंगापुर से आए अलबम से की जा रही थौ। उसके अलबम को बेहतर कहा जाता था तथा राजप्पा के अलबम को कूड़ा कहा जाता था।
6. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) स्त्रीलिंग
   (च) पुल्लिंग (छ) स्त्रीलिंग (ज) पुल्लिंग (झ) पुल्लिंग (ञ) स्त्रीलिंग
7. (क) जमघट – पनघट पर महिलाओं का जमघट लगा है।
   (ख) मधुमक्खी – मधुमक्खी का शहद सेहत के लिए लाभदायक है।
   (ग) अगुवा – वर तथा वधू पक्ष ने अगुवा का सम्मान किया।
   (घ) अँगीठी – प्राचीन समय में महिलाएँ अँगीठी में खाना बनाती थी।
   (ङ) चमत्करा – देवी-देवताओं के चमत्कारों का वर्णन ग्रंथों में मिलता है।
8. (क) नकलची (ख) अनंत (ग) ईर्ष्यालु (घ) घमंडी (ङ) संकरा मार्ग / पगडंडी (च) सप्ताहिक
9. (क) छुट्टियाँ (ख) सीढ़ी (ग) मधुमक्खियाँ (घ) आँखें (ङ) टिकटें (च) दरवाज़े
10. राजप्पा को नागराजन के अलबम से ईर्ष्या करना उचित नहीं था। उसे सोचना चाहिए था कि बड़े प्यार से नागराजन के मामा ने सिंगापुर से भेंट के रूप में अलबम भिजवाया था। जिसे पाकर वह बेहद ही खुश था तथा अपनी इस खुशी को कक्षा के सहपाठियों के साथ बाँटता था। वह आधी छुट्टी के वक्त भी शांतिपूर्वक सभी को अलबम दिखाता था। उसने अपने अलबम पर कवर चढ़ाकर मामा जी की याद के रूप में संभालकर रखा था।

11. यदि हम राजप्पा की जगह होते तो वैसी गलती नहीं करते जो उसने की थी। अलबम जलाने के बाद उसकी रात को नींद चली गई थी, खाना-पीना छूट गया था, झूठ बोलने पड़े थे। हम उसकी मदद से अपने अलबम को अधिक प्यारा बनाने के लिए सलाह लेते।

12. रोने का भाव हँसने का भाव दुखी होने का भाव गुस्से का भाव

13. छात्र स्वयं करें।

14. यदि हमारी कोई प्रिय वस्तु खो जाए या चोरी हो जाए, तो हम दुख मनाने की जगह उस वस्तु को या उससे मिलती-जुलती वस्तु को खरीद लेंगे। उस वस्तु के लिए अपना चैन नहीं खोना चाहेंगे।

10 झाँसी की रानी

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

2. (क) इस कविता की कवयित्री का नाम सुभद्रा कुमारी चौहान है।
   (ख) रानी लक्ष्मीबाई सौ मील की दूरी तय करके कालपी पहुँची थी।
   (ग) अंग्रेज़ों के मित्र सिंधिया ग्वालियर के शासक थे।
   (घ) कविता का मूल संदेश आज़ादी को बचाए रखना है।
   (ङ) अंगेज़ व्यापारी के रूप में भारत आए थे।

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (ii) (ङ) (i)

4. (क) प्रस्तुत कविता 'झाँसी की रानी' से ली गई है। इसमें कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने सन् 1857 में हुई क्रांति का उल्लेख करते हुए लिखा है कि जब देश में आज़ादी के लिए संघर्ष कर रहे थे तथा राजा-महाराजा, राजवंशी, सबने प्रण कर रखा था कि इन अंग्रेज़ों को देश से बाहर निकालना है तब वे क्रोधित होकर एकजुट होकर युद्ध करने लगे। उस समय का दौर ऐसा था सभी लोगों में जोश था। उस समय की जनता ने अंग्रेज़ों के अत्याचारों, नीतियों को देखा परखा तथा सहा था। वे सभी स्वतंत्रता का महत्व समझने लगे थे।
   (ख) इस प्रसंग में कवयित्री ने रानी की झाँसी के बारे में बताया है कि महान क्रांतिकारी, वीरांगना की शादी जब झाँसी के राजा से हुई थी तब चारों ओर खुशियाँ छाई थीं। राजमहल में बाजे-नगाड़े बज रहे थे। इस विवाह को उत्सव की तरह मनाया गया। झाँसी राज्य की प्रजा भी खुश थी। रानी का यशोगान चारों ओर होने लगा। रानी राजमहल में खुशी की सौगात लाई थी।

5. (क) रानी लक्ष्मीबाई को दुर्गा का अवतारी इसलिए कहा गया है कि जिस प्रकार दुर्गा जी ने राक्षसों का संहार करने के लिए युद्ध किया उसी प्रकार रानी ने भी अंग्रेज़ों के साथ युद्ध किया।
   (ख) रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान से देश में आज़ादी का बिगुल बज गया।
   (ग) अंग्रेज़ अपने अखबारों में बेगमों के गहने-कपड़े की नीलामी की खबरें छापते थे। उन गहनों की बिक्री के लिए 'नागपुर के जेवर ले लो', लखनऊ, के ले लो नौलख हार। यूँ विक्रेता बोली लगाते थे।
   (घ) रानी लक्ष्मीबाई का सौभाग्य झाँसी के राजा से विवाह करके उदित हुआ।
   (ङ) बूढ़े भारत में नई जवानी आने का अर्थ है कि उस समय देशभक्तों एवं वीरों में जोश की भावना प्रबल हो गई थी। झाँसी की प्रजा ने आज़ादी हासिल करने के लिए रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में युद्ध किया, उनका साथ दिया। आज़ादी का बिगुल चारों ओर बजने लगा। ऐसा लगता था कि सोया हुआ शेर जाग गया है।
   (च) रानी को वीर शिवाजी की कहानियाँ जुबानी याद थीं। इसकी वजह यह थी कि उसमें भी वीरता, देशभक्ति तथा दुश्मनों को देश से निकाल देने का भाव था।
   (छ) रानी लक्ष्मीबाई की तुलना बुंदेलों से इसलिए की गई है क्योंकि बुंदेल जाती भी राजपूतों की तरह वीर होती है, स्वाभिमानी तथा देशप्रेमी होती है।
   (ज) रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें भी अपने देश से प्रेम करना चाहिए। देश के मान-सम्मान के लिए दुश्मनों से युद्ध करना चाहिए। देश की आज़ादी को हर हालत में सुरक्षित रखना चाहिए तथा ज़रूरत पड़ने पर तन-मन-धन तथा सारी सुख-सुविधा का त्याग करना चाहिए।

6. (क) सम (ख) सधवा (ग) मित्र (घ) सम्मान (ङ) कायर
   (च) कृतघन (छ) परतंत्रता (ज) शोक (झ) दुर्भाग्य (ञ) विराग

7. (क) सुनी – छात्रों ने अध्यापक की बात ध्यान से सुनी।
   सूनी – सूनी-सूनी जगहों पर चोरी होने का डर रहता है।
   (ख) शोक – अम्मा पुत्र शोक में चल बसी।
   शौक – मुझे घूमने का शौक है।
   (ग) आदि – मामा जी ने मुझे कपड़े, खिलौने आदि दिए।
   आदी – हमें भौतिक सुविधाओं का आदी नहीं हाना चाहिए।
   (घ) अन्य – घर की अन्य वस्तुओं को गोदाम में रखो।
   अन्न – माँ ने भिखारी को एक कटोरा अन्न दिया।

8. (क) की (ख) कि (ग) की (घ) कि (ङ) कि
   (च) की (छ) की

9. (क) राजा का महल (ख) राजा का वंश (ग) अनुनय और विनय (घ) क्रोध रूपी अग्नि
   (ङ) देश का वासी (च) कुल की देवी

10. कवयित्री ने रानी लक्ष्मीबाई को मर्दानी इसलिए कहा है क्योंकि वह मर्दानी वेशभूषा में मर्दो के समान अंग्रेज़ों के साथ लड़ी। उसकी तलवार बाजी, वीरता को देखकर अंगेज़ दंग रह गए।

11. 1857 के गदर ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उसी समय से देश के नौजवानों, राजा-महाराजा तथा प्रजा में अंग्रेज़ों के विरूद्ध बगावत की लहर दौड़ी। जगह-जगह पर लड़ाइयाँ होने लगी। जेल क्रांतिकारियों से भर गए। अंग्रेज़ों को भारतीयों की शक्ति तथा एकता का अंदाज़ा हो गया। विद्रोह की ज्वाला को शांत करने के लिए दमनकारी नीतियाँ बनाई तथा उसका पालन सख्ती से किया। महिलाओं ने भी विद्रोह में शामिल होकर अपना सहयोग दिया। जगह-जगह पर अंग्रेज़ सैनिकों को मारा जाने लगा। थाने लूटे जाने लगे। मंगल पांड़े का विद्रोह, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार, देश के नेताओं का योगदान इसी गदर का परिणाम था।

12. छात्र स्वयं करें।

13. जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा
    वो भारत देश है मेरा
    जहाँ सत्य, अहिंसा और धर्म का पग-पग लगता है डेरा
    वो भारत देश है मेरा
    ये धरती वो जहाँ ऋषि मुनि जपते प्रभु नाम की माला
    जहाँ हर बालक एक मोहन है और राधा हर एक बाला
    जहाँ सूरज सबसे पहले आकर डाले अपना फेरा
    वो भारत देश है मेरा
    अलबेलों की इस धरती के त्योहार भी हैं अलबेले
    कहीं दीवाली की जगमग है कहीं हैं होली के मेले
    जहाँ राग रंग और हँसी खुशी का चारों ओर है घेरा
    वो भारत देश है मेरा
    जब आसमान से बातें करते मंदिर और शिवाले
    जहाँ किसी नगर में किसी द्वार पर कोई न ताला डाले
    प्रेम की बंसी जहाँ बजाता है ये शाम सवेरा
    वो भारत देश है मेरा

11 जो देखकर भी नहीं देखते

1. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) × (घ) × (ङ) ✓

2. (क) पाठ की लेखिका का नाम हेलेन केलर है।

   (ख) लेखिका को किसी वस्तु के छूने से खुशी मिलती है।

   (ग) लेखिका यह परखने के लिए अपने मित्रों की परीक्षा लेती है कि वह क्या देखते हैं।

   (घ) मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता।

   (ङ) मनुष्य हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है।

3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (iv)

4. (क) (ii) (ख) (vi) (ग) (v) (घ) (iii) (ङ) (i) (च) (iv)

5. (क) लेखिका को दिखाई नहीं देने पर भी वह चीज़ों को स्पर्श या छूकर पहचान लेती है; जैसे – भोजपत्र के पेड़ की चिकनी छाल या चीड़ की खरदरी छाल को, फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने और उसकी घुमावदार बनावट महसूस करके पहचानती है।

   (ख) लेखिका को प्रकृति के जादू का अहसास उस समय होता है जब वह फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूती है और उसकी घुमावदार बनावट महसूस करती है। उस समय वह आनंदित हो उठती है। जब लेखिका टहनी पर हाथ रखते ही किसी चिड़िया के मधुर स्वर कानों में गूँजने लगते हैं, अपनी अँगुलियों के बीच झरने के पानी को बहते हुए महसूस करती है तो उसका मन खुशियों से भर जाता है।

   (ग) बदलते हुए मौसम का समाँ लेखिका के जीवन में नया रंग और खुशियाँ भर जाता है।

   (घ) हेलेन केलर को ईश्वर प्रदत्त वैभव पर विश्वास है। ईश्वर की कृपा से ज़िंदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है।

   (ङ) लेखिका के विचारों से देख पाने की क्षमता उसकी संवेदना है। वह इन संवेदनाओं के माध्यम से अपने को वस्तुएँ के निकट पाती है, उसके बारे में कल्पनाएँ करती हैं तथा प्रसन्नचित्त रहती है।

   (च) मनुष्य का स्वभाव बड़ा ही विचित्र है। वह अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता। वह हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं होती। उसे पाने के लिए वह दिन-रात एक कर देता है और तब तक चैन से नहीं रहता जब तक मिल नहीं जाती।

   (छ) लेखिका जब अपनी अँगुलियों के बीच से झरने के पानी को बहते हुए महसूस करती है तब वह पानी के स्पर्श से आनंदित हो उठती है।

   (ज) इस पाठ से हमें संदेश मिलता है कि कभी-कभी मनुष्य अपनी क्षमताओं को पहचान नहीं पाता। अतः उसे अपनी क्षमता की कदर करनी चाहिए तथा ईश्वर द्वारा दी गई हर चीज़ का शुक्रिया करना चाहिए। उसे प्रकृति के प्रति संवेदना होनी चाहिए। अंधे व्यक्ति कई बार वह काम कर जाते हैं जो आँख वाले व्यक्ति भी नहीं कर पाते, इसका कारण हैं कि वे संवेदना से युक्त होते हैं।

6. (क) आशा कभी-कभी मंदिर जाती है।

   (ख) मालकिन ने सेविका से पूछा कि वह क्या-क्या काम कर सकती है।

   (ग) हमारे देश में अलग-अलग धर्मों के लोग रहते हैं।

   (घ) तुम गरम की छुट्टी में कहाँ-कहाँ गए थे?

   (ङ) जब-जब वर्षा हुई नदियों में बाढ़ आई।

7. (क) आदि – नवीन ने बाज़ार से आलू, टमाटर, प्याज आदि खरीदा।

   आदी – वह पान खाने का आदी है।

   (ख) अन्न – चिड़िया को खाने में अन्न दो।

   अन्न – अन्य व्यक्ति से सोच-समझकर बात करनी चाहिए।

   (ग) ओर – तुम किस ओर जा रहे हो?

   और – राम और श्याम मित्र हैं।

(घ) निश्चित – प्रकाश का विवाह 27 मई को होना निश्चित है।

निश्चिंत – बेटी की विदाई के बाद घर के लोग निश्चिंत हो गए।

8. (क) खुशियाँ (ख) पत्तियाँ (ग) क्षमताएँ (घ) आँख (ङ) टहनियाँ
(च) पंखुड़ी (छ) चीज़ें (ज) अँगुलियाँ (झ) झरने (ञ) ऋतुएँ
(ट) कहानियाँ (ठ) लड़कियाँ

9. (क) अनुभूति (ख) फूल की पत्ती (ग) नज़र (घ) अच्छे-बुरे की पहचान करना
(ङ) भाग्यशाली (च) कोमल, महीन, चिकना

10.

	मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	सुंदर	ता
(ख)	बुरा	ई
(ग)	आनंद	इत
(घ)	घुमाव	दार
(ङ)	संसार	इक

11. यदि हम लेखिका के मित्र की जगह होते, तो लेखिका के हर प्रश्न का जवाब देते कि जंगल में क्या-क्या देखा, जंगल का दृश्य कैसा है, कौन-कौन से जानवर देखे, जंगलीवासी का रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा, त्योहारों के बारे में चर्चा करते।

12. यदि व्यक्ति में हिम्मत हो, दृढ़ इच्छा शक्ति हो, तो शारीरिक अपंगता उसके राह में बाधक नहीं बन सकती। वह अपनी इच्छा शक्ति के बल पर मंजिल पा सकता है। हमारा इतिहास ऐसे व्यक्तियों से भरा पड़ा है; जैसे रणजीत सिंह, जो एक आँख से नेत्रहीन थे, एक कुशल प्रशासक, राजा और योद्धा थे। बिट्रेन के वैज्ञानिक स्टीफन हाँकिंग आदि व्यक्तियों में हिम्मत करके मानव कल्याणर्थ कार्य किया।

13. छात्र स्वयं करें।

14. यदि हमारी मुलाकात किसी अंधे व्यक्ति से हो जाती है, तो हम उससे पहला प्रश्न क्षमायाचना करते हुए पूछते कि आप कब से अंधे हैं? जन्मजात हैं या बाद में आँखें किसी दुर्घटना से ग्रसित हुई हैं अथवा किसी भयंकर बीमारी से पीड़ित हैं? आपने अपने अंधेपन का इलाज करवाया था या पैसे की कमी से आप किसी अच्छे नेत्र चिकित्सक के पास नहीं गए? इस प्रकार के प्रश्नों को पूछते समय ध्यान रखेंगे कि वे इनका उत्तर सरलता से दे सकें।

12 संसार पुस्तक है

1. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

2. (क) लेखक पत्र में लिखना चाहता है दुनिया एक है और उसमें बसे लोग हमारे भाई-बहन हैं।
(ख) किताबों का आनंद कहानी या उपन्यास से ज़्यादा होगा।
(ग) किसी भी भाषा को सीखने के लिए अक्षर सीखना पड़ता है।
(घ) धरती लगभग लाखों-करोड़ों वर्ष पुरानी है।
(ङ) मनुष्य से पहले धरती पर जानवर थे।

3. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (iv)

4. (क) हम इतिहास में दुनिया अपने देश, विदेश यानी इंग्लैंड, मानव सभ्यता तथा प्रकृति परिवर्तन के बारे में पढ़ सकते हैं।
(ख) धरती पर पहले जंगली जीव जंगलों में रहते थे।
(ग) संसार को पुस्तक इसलिए कहा गया है क्योंकि इसका श्रोत विस्तृत है। इसके अंतगर्त पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगली जानवरों की पुरानी हड्डियाँ, देश की सभ्यता, रहन-सहन आदि आते हैं।
(घ) नेहरू जी को आशा थी कि जो पत्र में लिखेंगे, उनकी पुत्री शौक से पढ़ेगी। उसे पढ़ने में आनंद आएगा।
(ङ) एक छोटा-सा रोड़ा हमें बताता है कि पूर्व में वह सड़क पर या पहाड़ के नीचे पड़ा था। वह खुरदरा और नोकीला था, बाद में जब पानी

आया तो उसे बहाकर एक पहाड़ी नाले में ढकेल दिया। दरिया में पहुँचकर वह पेंदे में लुढ़कता रहा तथा घिसकर बालू का किनारा बन गया।

(च) पुराने ज़माने की बात यदि हम बैठे-बैठे सोचने लगे तो सुंदर परियों की कहानी गढ़ लेते हैं जिसमें सच्चाई कोसो दूर रहती है।

(छ) पत्थर अपनी कहानी बताते हैं कि पहले वह खुरदरा, नोकिला था, बाद में घिसते-घिसते बालू का कण बन गया।

(ज) 'संसार पुस्तक है' इस पाठ से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें दूसरों की लिखी हुई पुस्तक पढ़ने की अपेक्षा प्राकृतिक के संपर्क में रहना चाहिए। हम पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल जानवरों की पुरानी हड्डियाँ को देखकर जितना विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं, उतनी किताबों से नहीं। इस पुस्तक का दूसरा पहलू यह है कि संसार के भिन्न देश के वासी हमारे भाई-बहन हैं अतः हमें उनके बारे में हर तरह की जानकारी होनी चाहिए।

5. (क) क्या, क्यों (ख) मिठास, बुढ़ापा (ग) काली, सुंदर (घ) नहाना, पढ़ना (ङ) मैं, तुम

6. (क) नदिओ (ख) महीश (ग) संसार (घ) वहीं (ङ) सूर्योदय

(च) प्रत्येक (छ) इतिहास (छ) समूदोर्मि

7. (क) चमकीला (ख) रंगीला (ग) बर्फीला (घ) गर्वीला (ङ) ज़हरीला

(च) पत्थरीला

8. (क) इतिहास – प्रत्येक छात्र को इतिहास की जानकारी होनी चाहिए।

(ख) प्रकृति – प्रकृति मनमोहक होती है।

(ग) घरौंदा – वृक्ष की टहनी पर चिड़िया ने घरौंदा बनाया है।

(घ) संसार – इस संसार में हर वस्तु अस्थाई है।

(ङ) विद्वान – आज शहर में बड़े-बड़े विद्वान पधारे हैं।

9. मेरी मनपसंद पुस्तक मुंशी प्रेम चंद्र के उपन्यास हैं। उन्होंने अपनी पुस्तक में उस काल की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, ऊँच-नीच की व्यवस्था का मित्रण किया है। मनुष्य दिखाने के लिए कर्ज़ तो लेता है लेकिन वह ज़मीदार का कर्ज़ उतार नहीं पाता। उन्होंने जितना वर्णन से ग्रामीण परिस्थिति को लेकर किया है उतना किसी अन्य उपन्यासकार ने नहीं किया।

10. पुस्तकें ज्ञान का स्रोत है जिसकी कोई अंतिम सीमा नहीं है। व्यक्ति खाली वक्त में अपनी पसंद के अनुसार ज्ञान को विकसित कर सकता है। पुस्तकों में हर तरह के लेख होते हैं, जो हमारी प्रतियागी परिक्षाओं के लिए लाभदायक सिद्ध होती है। हम पुस्तकों को अपना मित्र बनाकर उससे अर्जित ज्ञान द्वारा परेशानी से मुक्ति पा सकते हैं।

11. छात्र स्वयं करें।

13 मैं सबसे छोटी होऊँ

1. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

2. (क) सुमित्रानंदन पंत

(ख) माँ का आँचल पकड़कर बच्ची हमेशा घूमना चाहती है।

(ग) बच्ची सुरक्षित महसूस करती है।

(घ) बच्ची माँ की गोद में सोने की इच्छा प्रकट करती है।

(ङ) बड़ी होने पर बच्ची को माँ से दूर होने का भय सता रहा है अर्थात् उसे सारे कार्य स्वयं करने होंगे।

3. (क) (i) (ख) (iv) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (ii)

4. मैं सबसे **छोटी होऊँ**

तेरी गोद में सोऊँ

तेरा अंचल पकड़-पकड़कर

फिरूँ सदा माँ! तेरे साथ,

कभी न छोड़ूँ छोड़ूँ तेरा हाथ!

5. इन पंक्तियों में बच्चे कभी भी बड़ा होना नहीं चाहती। उसे इस बात का डर सता रहा है कि बड़े होने पर वह माँ के प्रेम से वंचित हो

जाएगी। वह बचपन की सुखद यादों से दूर हो जाएगी। उसे अपना बचपन प्यारा है अर्थात् माँ की गोद में लेटकर परियों की कहानी सुनना, आँचल पकड़कर पीछे-पीछे घूमना।

6. (क) बच्ची की बालसुलभ इच्छा है माँ की गोद में लेटकर परियों की कहानी सुनना तथा रात में चंद्रमा के दर्शन करना है।

(ख) बड़े होने पर माँ का व्यवहार बदल जाता है। वह बच्ची को स्वावलंबी होने की शिक्षा देती है तथा उसके वो सभी कार्य नहीं करती, जो बचपन में करती थी।

(ग) छोटे रहने में हमारे सभी कार्य मम्मी कर देती है। हमारे पास खेलने-पढ़ने का वक्त होता है तथा हमें किसी प्रकार की चिंता नहीं होती।

(घ) माँ के आँचल की छाया दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह इस कारण से है क्यों कि माँ हर प्रकार की मुसीबत स्वयं झेल लेती है, उसकी तनिक भी आँच बच्चे पर आने नहीं देती।

(ङ) माँ बच्चों को मीठी-मीठी बातों से, खिलौने पकड़ाकर छलती है।

(च) बचपन सुहावना होता है क्योंकि हमें समय पर सभी चीज़ें मिल जाती है। हमारे कार्य बड़े करते हैं। हमें कार्य करने की चिंता नहीं रहती। सिर्फ़ मस्ती ही करते हैं।

(छ) माँ अपने बच्चों के लिए कई कार्य करती हैं; जैसे– स्कूल जाने के लिए जगाना, खाना बनाना, स्कूल भेजना, घर की साफ़-सफाई तथा कपड़े धोने के अतिरिक्त परिवार के सदस्यों की देखभाल।

(ज) इस कविता में बच्ची सदैव छोटे होने का सुख खोना नहीं चाहती। उसे माँ की गोद में लेटना तथा रात में चाँद देखना पसंद है। माँ का आँचल पकड़कर हमेशा पीछे-पीछे घूमना चाहती है। उसके हाथों से खाना चाहती है। जब वह खेलकर आती है तब माँ प्यार से गालों से मिट्टी हटाती है। उसे ऐसा बड़ा हाना अच्छा नहीं लगता जिससे वह सुखों से दूर हो जाए।

7.

	उपसर्ग	मूल शब्द
(क)	निर्	भय
(ख)	सु	मन
(ग)	आ	जीवन
(घ)	ना	दान
(ङ)	प्र	युक्त

8. (क) चाँद (ख) प्रभु (ग) रात्रि (घ) दिवस (ङ) अनुराग (च) सुमन
(छ) मिट्टी (ज) कर (झ) श्याम (ञ) नयन (ट) जलज (ठ) जननी

9. (क) सं (ख) सज्जित (ग) आशीवाद (घ) धूल (ङ) निस्पृह
(च) उपस्थित (छ) चंद्रोदय (ज) मिठाइयाँ (झ) निर्भय (ञ) शृंगार

10.

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
अंचल	माँ
हाथ	बच्ची
गात	परी
खिलौना	गोदी

11. माँ-माँ कहता है बच्चा
छोड़कर आती है सब काम
पूछती है क्या हाल लेकर गोद हमें
दुखी हो जाती उस पल
जब सुनती हमारी व्यथा
चूमने लगती गालों को
न-डर, न-डर मेरे लाल।

12. हम अपनी माँ के लिए अपनी खुशियाँ न्योछावर कर सकते हैं। उनकी हर बात को मान सकते हैं। किसी-भी बस्तु को खरीदने के लिए जिद्द नहीं करेंगे। बीमारी की हालत में उनकी सेवा कर सकते हैं। मेहमान के आने पर उनकी रसोई में मदद कर सकते हैं तथा ज़रूरत पड़ने पर बाज़ार से आवश्यक सामान ला सकते हैं।

13. छात्र स्वयं करें।

14. माँ ही अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देती है, उस समय वह प्रथम शिक्षिका होती है। वह ही बच्चों को अच्छे-बुरे का ज्ञान कराती है। यदि शिक्षित माँ अपने बच्चे को स्वयं पढ़ा सकती है तथा उसे भविष्य के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयार कर सकती है तथा उसे भविष्य के लिए तैयार कर सकती है। वह कदम-कदम पर मार्गदर्शन करती है जिससे उसके बच्चे का बेहतर भविष्य हो जाए। वह बच्चे के खान-पान का ध्यान रखती है। माँ के अभाव में बच्चे का विकास नहीं हो सकता क्योंकि वह ही प्यार, डॉट, सख्ती से अच्छे राह पर ला सकती है।

14 लोकगीत

1. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ? (ङ) ✓

2. (क) लोकगीत शास्त्रीय संगीत के सामने हीन समझे जाते थे।

(ख) 'बिदेसिया' भोजपुरी लोकगीत का प्रचार पिछले तीस-चालीस बरसों में हुआ।

(ग) आल्हा बुंदेलखंडी में गाए जाते हैं।

(घ) गरबा गुजरात का दलीय गायन है।

(ङ) लोकगीत, ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाए जाते हैं।

3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (iii) (ङ) (i)

4. (क) (v) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i) (ङ) (vi) (च) (iv)

5. (क) लोगों के दृष्टिकोण में परिवर्तन आने से लोकगीतों का प्रचलन अधिक बढ़ गया है।

(ख) देहाती गीतों का विषय दैनिक जीवन से संबंधित शादी के अवसर पर गाए जाने वाले गीत, मटकोड़, ज्यौनार, जन्म, होली, त्योहार होते हैं।

(ग) लोकगीत के लिए साधना की ज़रूरत नहीं होती इसलिए स्त्रियाँ त्योहारों और विशेष अवसरों पर बाजों की मदद के बिना या साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाती हैं जब कि शास्त्रीय संगीत के लिए गुरु तथा रागों एवं स्वर के आरोह-अवरोह का ध्यान रखा जाता है। इस गायन के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इस वजह से ये लोकगीत, शास्त्रीय गीत से भिन्न होते हैं।

(घ) लोकगीतों की रचना में ग्रामीण लोगों और महिलाओं का विशेष योगदान होता है।

(ङ) स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले लोकगीत अधिकतर गाँव की स्त्रियों द्वारा रचे जाते हैं। इन गीतों को बिना साज के बिना सुर-ताल के गाया जाता है। इन्हें दल के साथ गाती हैं।

(च) बिदेशिया भारत के बिहार राज्य के हिस्सों में प्रचलित है।

(छ) आज आल्ह और उस पर आधारित गीतों का प्रचलन फिल्मों में बढ़ गया है। अधिकतर ये गीत बुदेलखंडी में गाए जाते हैं जिसमें आल्हा ऊदल की वीरता का बखान गीतों के रूप में किया जाता है। इन्हें गाने वाले गाँव-गाँव ढोलक लिए बड़े प्रेम के साथ गाते फिरते है। इन गीतों के अपने बोल होते हैं।

(ज) 'गरबा' गुजरात राज्य से संबंधित है। इस गायन में नाच का पुट होता है। गुजराती स्त्रियाँ विशेष विधि से घेरे में घूम-घूमकर गाती हैं। साथ ही लकड़ियाँ भी बजाती जाती हैं जो बाजे का काम करती हैं। गरबा को बड़ी ही खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किया जाता है जो दर्शकों का मन मोह लेता है। अब गरबा सभी प्रांतों में लोकप्रिय हो चला है।

6. (क) लोक में प्रिय (ख) महान काव्य (ग) दल और गीत (घ) प्रेम से युक्त

(ङ) महान है जो कवि (च) नाच और गान (छ) हीर और राँझा (ज) राजा का कवि

7. का, में, की, के, में, में, के, में, के, के, की,

8. (क) गायिका (ख) बोलियाँ (ग) स्त्रियाँ (घ) दिशाएँ

(ङ) सीमाएँ (च) नारी (छ) बाँसुरिया (ज) विधियाँ

9. (क) विवाह के अवसर पर लोकगीत गाए जाते हैं।

(ख) पुस्तकालय में एक व्यक्ति को महाकाव्य पढ़ते देखा।

(ग) वर्तमान प्रधानमंत्री एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं।

(घ) संगीत के लिए साधना ज़रूरी है।

(ङ) मुझे भोजपुरी आती है।

10. छात्र स्वयं करें।

11. छात्र स्वयं करें।

15 नौकर

1. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗

2. (क) साबरमती आश्रम में रहते थे।

(ख) गांधी जी के साथी तालाब भराई के काम में लगे थे।

(ग) कोई दूसरा साथी उनके हिस्से का काम करे।

(घ) दक्षिण अफ्रीका में गोखले गांधी जी के साथ ठहरे।

(ङ) गांधी जी के राजनीतिक गुरु गोखले थे।

3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iv) (घ) (ii) (ङ) (i)

4. (क) भंडार (ख) शाकाहारी (ग) खाखरा (घ) बिस्तर (ङ) कैदियों

5. (क) आश्रम का एक नियम यह था कि सब लोग अपने बरतन खुद साफ़ करें।

(ख) गांधी जी को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं थी कि बूढ़े होने के कारण उनके हिस्से का दैनिक श्रम कोई और करे। उनके एक साथी ने आश्रम वासियों की मदद से छोटे-छोटे बरतनों में पानी भर डाला। गांधी जी को यह बात पसंद नहीं आई, मन में ठेस लगी। उन्होंने बच्चों के नहाने का टब उठाया और कुएँ से उसमें पानी भरकर रब को सिर पर उठाकर आश्रम में ले आए।

(ग) जेल से लौटने पर गांधी जी ने देखा कि इंग्लैंड में ऊँचे घरानों में घरेलू नौकरों को परिवार का आदमी माना जाता था तथा उनका परिचय परिवार के सदस्य के समान कराया जाता था।

(घ) आश्रम में आटा कम पड़ जाने की बात सुनकर गांधी जी आटा पिसवाने में हाथ बैटाने के लिए फ़ौरन उठकर खड़े हो गए।

(ङ) आश्रम में किसी सहायक को रखते समय गांधी जी किसी हरिजन को रखने का आग्रह करते थे। वे कहते थे "नौकरों को हमें वेतन भोगी मज़दूर नहीं; अपने भाई के समान मानना चाहिए। उसमें कुछ कठिनाई हो सकती है; चोरियाँ हो सकती हैं; फिर भी हमारी कोशिश सर्वथा निस्फल नहीं जाएगी।"